

जैसलमेर के सूदासरी में ब्रीडिंग सेंटर में पले गोडावणों को री-वाइल्डिंग एवियरी में छोड़ा

सीएम भजनलाल शर्मा ने नवनिर्मित री-वाइल्डिंग एवियरी का वीसी से उद्घाटन किया

जालोर, (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को रामदेवरा स्थित गोडावण संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र में नवनिर्मित री-वाइल्डिंग एवियरी का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से उद्घाटन किया। वीसी से केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव और प्रदेश के वन मंत्री संजय शर्मा भी जुड़े। वहीं देर शाम को केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव व प्रदेश के वन मंत्री संजय शर्मा ने रामदेवरा पहुंचकर री-वाइल्डिंग एवियरी का निरीक्षण किया। एवियरी में गोडावण को प्राकृतिक वातावरण के अनुकूल बनाने और पुनः जंगल में बसाने की प्रक्रिया को गति मिलेगी। यह पहल राजस्थान की जैव विविधता संरक्षण में अहम कदम है। जैसलमेर जिले के सूदासरी में पहली बार ब्रीडिंग सेंटर (प्रजनन केंद्र) में पले-बड़े गोडावणों को उनके प्राकृतिक पर्यावास (नेचुरल हैबिटेट) में रिलीज किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामदेवरा स्थित गोडावण संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र में नवनिर्मित री-वाइल्डिंग एवियरी (पुनर्स्थापन पक्षीगृह) के उद्घाटन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि राज्य पक्षी गोडावण को बचाने के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है, विलुप्त हो रहे गोडावण को बचाने के लिए अथक प्रयास करने का नतीजा है कि आज गोडावण को री-वाइल्डिंग एवियरी में छोड़ा गया। पहले यह चौबीस घंटे निगरानी में रहेंगे, इसके बाद जंगल में पहले की तरह विचरण करेंगे। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि एक चिंता की जा रही थी



फाइल फोटो।

कि राजस्थान का राज्य पक्षी गोडावण विलुप्त हो रहा है, इसके बाद गोडावण को बचाने की मुहिम शुरू की गई। इसके लिए एक एमयूए हुआ कि लुप्त हो रहे गोडावण को बचाया जाये। इसके लिए ब्रीडिंग सेंटर का निर्माण सूदासरी व रामदेवरा में किया गया। इसके लिए 3.6 किमी क्षेत्र को अधिकृत कर उसमें गोडावण के अण्डे व बच्चे प्रतिकूल वातावरण में रखकर बचाया गया। अब ब्रीडिंग सेंटर से उन बच्चों को आसमान के खुले वातावरण में छोड़ने के लिए आज री-वाइल्डिंग एवियरी का उद्घाटन किया गया।

वन मंत्री ने कहा कि गोडावण राजस्थान की विशिष्ट वन्यजीव विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी घटती संख्या को देखते हुए संरक्षण और प्रजनन के साथ प्राकृतिक आवास में पुनर्स्थापन के प्रयासों को

गति देना आवश्यक है। रामदेवरा स्थित संरक्षण एवं प्रजनन केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नवनिर्मित री-वाइल्डिंग एवियरी गोडावण के प्राकृतिक वातावरण में पुनर्स्थापन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में सहायक डेजेंट नेशनल पार्क में आयोजित इस कार्यक्रम को वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर बड़ी कामयाबी के रूप में देखा जा रहा है। रामदेवरा के सुदासरी पहुंचे केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने ब्रीडिंग सेंटर की व्यवस्थाओं और पार्क क्षेत्र में गोडावण संरक्षण के लिए चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की।

लंबे समय से गोडावण के अंडों की हैचिंग और ब्रीडिंग पर काम कर रहे वैज्ञानिकों और वन विभाग की टीम के लिए यह पल बेहद गौरवशाली है, क्योंकि यह प्रयोग सफल होने पर थार के इस अनूठे

पक्षी के कुनबे को नया जीवन मिलेगा। गौरतलब है कि जिले में गोडावण का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। कृत्रिम माहौल में बड़े हुए इन पक्षियों को सीधे खुले में छोड़ना जोखिम भरा हो सकता था। इसी के मद्देनजर सॉफ्ट-रिलीज प्रक्रिया अपनाई गई। इसके तहत इन्हें बीते 2 से 3 महीनों तक विशेष टनल में रखा गया था। इस टनल में उन्हें प्राकृतिक परिवेश का अहसास कराया गया, जहां उन्होंने खुद दाना-पानी ढूँढना, मौसम के उतार-चढ़ाव को झेलना और अपनी उड़ने की क्षमता को मजबूत करना सीखा। पूरी तरह स्वस्थ और प्राकृतिक जीवन के अनुकूल पाए जाने के बाद ही अब इन्हें खुले पर्यावास में छोड़ने का अंतिम फैसला लिया गया है।

वन्यजीव विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की देखरेख में खुले पर्यावास में छोड़े जा रहे इन गोडावणों

अजमेर में साइबर ठगी का आरोपी युवक गिरफ्तार

अजमेर, (निर्सं)। साइबर ठगी की रकम को राजनीतिक पार्टी के बैंक खाते में जमा करवाने और बाद में राशि निकालने के मामले में सिविल लाईंस थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान दीपेंद्र सिंह रावत उर्फ दीपू (23) निवासी वाई नंबर 1, लाडपुरा, थाना गेगल, अजमेर के रूप में की है।

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पार्टी फंड में डोनेशन के नाम पर शिकायतकर्ता के राजनीतिक पार्टी के बैंक खाते में 16 लाख 16 हजार 500 रुपए जमा करवाए थे। रकम जमा होने के बाद बैंक की ओर से खाते को फ्रीज कर दिया गया। इसके बाद जब खाते से संबंधित जानकारी जुटाई गई तो सामने आया कि जमा कराई गई राशि साइबर ठगी से जुड़ी हुई थी। पुलिस को दी शिकायत में लाडपुरा निवासी मुकेश रावत ने बताया कि उसके पास अखिल भारतीय राजनीतिक पार्टी के नाम से बैंक खाता है। चुनाव के दौरान इस खाते में

पार्टी फंड की राशि आती है, जिसका उपयोग प्रचार-प्रसार और अन्य राजनीतिक गतिविधियों के लिए किया जाता है। शिकायत के अनुसार, गांव का ही दीपेंद्र उर्फ दीपू उसे अपने झांसे में लेकर पार्टी के खाते में रकम जमा करवाने ले गया। आरोपी ने पार्टी फंड में डोनेशन के नाम पर खाते में 16,16,500 रुपए जमा करवाए। इसके बाद खाते से यह राशि निकाल ली गई।

रकम जमा होने के बाद बैंक ने संबंधित खाते को फ्रीज कर दिया। खाते पर कार्रवाई होने के बाद पीड़ित ने मामले की जानकारी जुटाई। जांच में पता चला कि खाते में जमा कराई गई रकम कथित तौर पर साइबर ठगी से संबंधित थी। इसके बाद पीड़ित ने सिविल लाईंस थाने में शिकायत दर्ज करवाई। थाना प्रभारी शंभू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मामले की जांच करते हुए आरोपी दीपेंद्र सिंह रावत को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है।

जोधपुर : जेएनवीयू के पेंशनर्स की पेंशन छह महीने से बकाया

जोधपुर, (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) के पेंशनर्स की पेंशन पिछले 6 महीने से बकाया है। पेंशनर्स के मुताबिक, बकाया राशि 50 करोड़ रुपए से ज्यादा है। शनिवार को पेंशन और एग्रीयर सहित अन्य मांगों को लेकर पेंशनर्स ने प्रदर्शन कर अपनी मांगें उठाईं। पेंशनर्स ने यूनिवर्सिटी प्रशासन पर समस्याओं का समाधान नहीं करने का भी आरोप लगाया।

पेंशर्स समिति के अध्यक्ष प्रो. रामनिवास शर्मा ने बताया कि आज जब

प्रदर्शन करने पहुंचे तो हैड ऑफिस के मेन गेट पर ताला लगा हुआ था। उन्होंने बताया कि कुलगुरु ने ताला लगवाने के आदेश दिए थे, लेकिन पेंशनर्स ने कहा कि ताला लगा रहा तो वह भी कुलगुरु को नहीं आने देंगे। इसके बाद फिर दूसरे गेट से प्रदर्शन करने विश्वविद्यालय के कुलगुरु ऑफिस के बाहर पहुंचे। वहां पर अपनी मांगों को लेकर नारेबाजी की।

प्रो. रामनिवास शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय के करीब 15०0 पेंशनर्स हैं, जिन्हें हर महीने 8.67 करोड़ रुपए

की पेंशन का भुगतान किया जाता है। लेकिन पिछले 6 महीने से पेंशन का भुगतान नहीं हुआ है। विश्वविद्यालय के पेंशनर्स के 50 करोड़ से ज्यादा की राशि बकाया चल रही है, लेकिन प्रशासन की ओर से इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। जिससे पेंशनर्स को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पेंशनर्स को प्रो. सुखवीर सिंह बैस, प्रो. कैलाशनाथ व्यास, प्रो. खरतरा राम पटेल, प्रो. राम निवास शर्मा और अशोक व्यास ने संबोधित किया।

अजमेर, (निर्सं)। आदर्श नगर थाना क्षेत्र में महिलाओं से कथित छेड़छाड़ और अभद्रता को लेकर आक्रांश धाना बढ़ गया कि ग्रामीणों ने उत्तर प्रदेश नंबर की कार में सवार तीन युवकों की जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में है। सूचना मिलने पर आदर्श नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश नंबर की कार से कुछ युवक क्षेत्र के एक

रेस्टोरेंट में पहुंचे थे। आरोप है कि युवक वहां शराब पी रहे थे। इसके बाद नशे की हालत में वे पास स्थित एक घर में घुस गए। यहां मौजूद महिलाओं के साथ अभद्रता और छेड़छाड़ करने का आरोप है। बताया जा रहा है कि महिलाओं के विरोध करने पर युवकों ने उनके साथ मारपीट भी की। ग्रामीणों ने युवकों को घेर लिया और उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, काफी देर तक युवकों की पिटाई होती रही। इसी दौरान मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया।

पेंशन का झांसा देकर अनु. जनजाति के 17 खातेदारों की संयुक्त कृषि भूमि हड़पी

आरोपी दलाल ने बुजुर्ग और अनपढ़ किसानों को पेंशन दिलाने और म्यूटेशन करवाने का झांसा देकर उनके अगूठे लगवाए और फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कर जमीन बेच दी

रेवदर, (निर्सं)। रेवदर तहसील के लुणोल गांव में अनुसूचित जनजाति के 17 खातेदारों की संयुक्त कृषि भूमि को फर्जी तरीके से हड़पने का एक बड़ा मामला सामने आया है। आरोपी दलाल ने बुजुर्ग और अनपढ़ किसानों को पेंशन दिलाने और म्यूटेशन करवाने का झांसा देकर उनके अगूठे लगवा लिए और फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार कर पूरी जमीन बेच दी। रेवदर पुलिस ने धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लुणोल निवासी पीड़ित कैलाश कुमार ने रेवदर थाने में दी रिपोर्ट में

- रिपोर्ट में आरोप लगाया कि दलाल ने कई बैंकों के फर्जी नो-ड्यूज सर्टिफिकेट भी बनाए, पूरे षड़यंत्र में पटवारी रामाराम देवासी की भी मिलीभगत रही है**

बताया कि लुणोल गांव में खसरा नंबर 812 की कुल 2.1448 हेक्टेयर जमीन उनके सहित 17 लोगों के नाम राजस्व रिकॉर्ड में संयुक्त खातेदारी में दर्ज है। इन में से कुछ लोगों को जमीन बेचनी थी, तो लुणोल के ही रहने वाले दलाल हड़मत सिंह पुत्र दलपत सिंह ने खातेदारों से संपर्क किया। दलाल ने परिवार के बुजुर्ग और अनपढ़ लोगों

को पेंशन शुरू करवाने का लालच दिया और कुछ को म्यूटेशन का बोलकर गुमराह किया। इसके बाद धोखे से उनके फर्जी अंगूठे और हस्ताक्षर करवाकर पूरी खातेदारी भूमि की पावर ऑफ अटॉर्नी का साखन ली और फिर जमीन बेच दी।

रिपोर्ट में यह गंभीर आरोप लगाया गया है कि दलाल हड़मत सिंह ने कई

बैंकों के फर्जी नो-ड्यूज सर्टिफिकेट भी बनाए और उन पर फर्जी मोहर लगाई। इस पूरे षड़यंत्र में पटवारी रामाराम देवासी की भी मिलीभगत रही, जिसके साथ मिलकर बैंक के जाली दस्तावेजों के आधार पर जमीन पर चल रहा रहन (मोंगेंज) भी फर्जी तरीके से हटवा दिया गया।

कैलाश ने बताया कि आरोपियों ने धोखाधड़ी कर मार्च और सितंबर 2025 में फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी बनाई और बैंक के जाली दस्तावेजों के आधार पर म्यूटेशन करवाकर (विक्रय विलेख संख्या 1937 और 2862 के

जरिए) जमीन आगे बेच दी। पुलिस ने धोखाधड़ी, कूटरचना और अपराधिक षड़यंत्र का मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

रामाराम देवासी, तत्कालीन पटवारी लुणोल का कहना है कि फर्जी म्यूटेशन जैसे सभी आरोप बेबुनियाद एवं झूठे हैं। रहन मुक्त की कार्यवाही संबंधित व्यक्ति को बैंक से रहन मुक्त प्रमाण पत्र जारी होने के बाद तहसील कार्यालय से आदेश किया जाता है, उसके बाद ही संबंधित द्वारा ऑनलाइन आवेदन करने के बाद पटवारी की आईडी पर आता है।

भीलवाड़ा में आठ लाख की अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निर्सं)। सीआईडी (क्राइम ब्रांच) और पुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने नशे की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 1.445 किलोग्राम अवैध अफीम बरामद की है। चित्तौड़गढ़ हाइवे पर संगम पुलिसिया के पास की गई इस कार्रवाई में 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, जब्त की गई अफीम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपए है।

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि हाइवे के रास्ते अफीम की तस्करी होने वाली है। इस पर सीआईडी टीम ने पुर थाना पुलिस के साथ मिलकर संगम पुलिसिया पर नाकाबंदी और घेराबंदी की।



गिरफ्तार आरोपी।

इस दौरान वहां से गुजर रहे एक सदिग्ध युवक को रोककर जब तलाशी ली गई,

- पुलिस अब आरोपी से कड़ाई से पूछताछ कर रही है**

तो उसके पास से 1.445 किलो अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार तस्कर की पहचान धर्मराज पुत्र रामेश्वर जाट (20), निवासी बड़ी हरणी, थाना कोतवाली भीलवाड़ा के रूप में हुई है। पुर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है, ताकि अफीम की सप्लाई के मुख्य स्रोत और इससे जुड़े पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

जोधपुर में एएसआई से 15.58 लाख की साइबर ठगी

- ऑनलाइन निवेश और शॉप खोलने का सांसा दिया था**

जोधपुर, (कासं)। माता का थान थाना क्षेत्र में ऑनलाइन निवेश और शॉप खोलने का झांसा देकर एक एएसआई से करीब 15.58 लाख रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। रिपोर्ट में रकम 16 लाख से ज्यादा बताई गई है।

पीड़ित लिखमराम पुत्र मालाराम निवासी सज्जन नगर, मिया का बेरा ने रिपोर्ट में बताया कि फरवरी में उसके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। आरोपी ने निवेश के नाम पर एक लिंक भेजकर ऑनलाइन शॉप खुलवाई और यूजर

अजमेर में बंद मकान के ताले तोड़कर चोरी

अजमेर, (निर्सं)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के भुणबाय में चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए करीब 6 लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और अन्य सामान पर हाथ थाफ कर दिया। वारदात का पता शुक्रवार सुबह उस समय चला, जब मकान मालकिन अपने बेटे के घर से वापस लौटी और मुख्य दरवाजे के ताले टूटे हुए मिले। पुलिस ने मामले को लेकर जांच शुरू की है।

क्षेत्रवासी कमल सिंह के अनुसार अमरी देवी दिवन के समय अपने मकान में रहती हैं, जबकि रात को कुछ दूरी पर स्थित अपने बेटे के घर सोने के लिए चली जाती हैं। गुरुवार रात भी वह मकान बंद कर बेटे के घर चली गई थीं। शुक्रवार सुबह जब वह वापस

अपने घर पहुंचीं तो दरवाजे के ताले टूटे देखकर उनके होश उड़ गए। अमरी देवी ने मकान के अंदर जाकर सामान की जांच की तो कमरों में सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर सोने-चांदी के जेवर सहित अन्य कीमती सामान गायब पाया गया। परिजनों के अनुसार चोरी हुए सामान की कीमत करीब 6 लाख रुपए बताई जा रही है। वारदात की सूचना मिलने पर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। फुटेज के आधार पर सदिग्धों की पहचान करने के साथ ही पुलिस चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

अधिवक्ता पर हुये हमले के आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

भीलवाड़ा, (निर्सं)। जिला अधिभाषक संस्था, भीलवाड़ा ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर अधिवक्ता गोविंद माणमिया पर हुए जानलेवा हमले के मामले में आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। संस्था ने चेतावनी दी है कि यदि 3 दिन के भीतर अभियुक्त को गिरफ्तार नहीं किया गया, तो पूरी वकील समुदाय द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 1

अक्टूबर की शाम लगभग 8:30 से 9 बजे के बीच अधिवक्ता गोविंद माणमिया अजमेर चौराहे की ओर से आ रहे थे। तभी एक अज्ञात व्यक्ति स्कूटर पर सवार होकर आया और उसने उन्हें रोककर लूटपाट करने का प्रयास किया। जब अधिवक्ता ने अपना बचाव किया, तो हमलावर ने जेब से चाकू निकालकर जान से मारने की नीयत से उन पर हमला कर दिया। घटना के संबंध में थाना सुभाष नगर में मामला दर्ज

कराया गया है। अधिवक्ता संघ का आरोप है कि पुलिस को घटना का वीडियो सट्टेय पर उपलब्ध करने के बावजूद भी आरोपी की गिरफ्तारी अब तक नहीं हो पाई है, जिससे अधिभाषक समुदाय में भारी आक्रोश पैदा है। जिला अधिभाषक संस्था ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि अभियुक्त को अविलंब गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाए, अन्यथा वकील कड़ा रुख अपनाने को मजबूर होंगे।

सोने की माला का लालच देकर ठगी करने वाला गिरोह पकड़ा

जालोर के तीन जने गिरफ्तार, कई जिलों में 25 से अधिक वारदातें करना कबूल की

दौसा, (निर्सं)। दौसा जिले की सिकंदरा थाना पुलिस ने शुक्रवार को सोने की माला का लालच देकर 15 लाख रुपए की ठगी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 13 लाख 60 हजार रुपए नकद और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। आरोपित कई राज्य के जिलों में इसी तरीके से करीब 25 से ज्यादा वारदातों को अंजाम दे चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने बताया कि 26 सितंबर को बासड़ा निवासी कमलेश सेनी ने सिकन्दरा थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि बांदीरूई रोड पर श्रीराम फर्नीचर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के नाम से दुकान है। करीब डेढ़ महीने पहले दो व्यक्ति ठाहक बनकर दुकान पर आए और सामान खरीदने के दौरान उन्होंने सोने जैसा सामान मिलने की बात कही।

आरोपियों ने सोने का टुकड़ा देकर उसे असली बताया और परिवारी से एक लाख रुपए एडवांस भी ले लिए। इसके बाद आरोपितों ने 800 प्रमाण सोना होने की बात कहते हुए 15 लाख रुपए में सौदा तय किया। 24 सितंबर को परिवारी को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर में बुलाया गया। वहां आरोपितों ने गाड़ी में सोने की धातु से

- पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13.60 लाख नकद और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की**

बनी मालाएं देकर परिवारी से 14 लाख रुपए नकद ले लिए। बाद में राजाधोक पहुंचकर माल को तेजाब से जौंचने पर वह नकली निकला।

थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर पुलिस थाना सिकंदरा, साइबर सेल और डीएसटी की संयुक्त टीम ने घटनास्थल से लेकर करीब 350 किलोमीटर क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। कॉल डिटेल, तकनीकी साक्ष्यों और पारंपरिक पुलिसिंग के जरिए आरोपियों की पहचान की गई। तीन अक्टूबर को जालोर जिले के रहने वाले तीन आरोपियों को डीडवाना-कुचामन जिले के मंगलाना गांव से गिरफ्तार किया। आरोपित मंदिर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, रैन बसेरा और धर्मशालाओं के आसपास किराए पर मकान लेकर महिलाओं और बच्चों के साथ रहते थे।

इसके बाद 20-30 किलोमीटर दूर कस्बों और बाजारों में जाकर व्यापारी वर्ग के लोगों की रेकी करते थे। आरोपित पहले दुकानदार से छोटी-मोटी खरीदारी कर उससे संपर्क बनाते थे। बाद में सड़क खुदाई में सोने की बड़ी माला मिलने की कहानी सुनाकर उसे बेचने का झांसा देते थे। विश्वास जीतने के लिए असली सोने का छोटा टुकड़ा भी देते थे, जिसे सुनार से जांच करवाने पर वह असली निकलता था। इसके बाद नकली सोने की माला का सौदा कर व्यापारी को दूसरे जिले या दूर स्थान पर बुलाया जाता था। वहां गिरोह के अन्य सदस्य भी आसपास रहकर निगरानी रखते और नकली सोना देकर पैसे लेकर बाइक से फरार हो जाते थे। बताया जाता है कि गिरफ्तार आरोपितों ने दौसा, नागौर, बीकानेर, जयपुर ठाामीन, चूरू, सीकर, झुंझुनू, पाली, बांसवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में ठगी की वारदातें करना स्वीकार किया है। इनमें सिकंदरा में 15 लाख, महवा में 13 लाख, मेड़ता रोड में 7 लाख, फुलेरा में 6 लाख, रतनगढ़ में 5 लाख और अन्य स्थानों पर लाखों रुपए की ठगी शामिल है। गिरोह द्वारा करीब 25 से अधिक वारदातों को अंजाम दिए जाने की जानकारी सामने आई है।